हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, बुधवार 26 जून 2024

तापमान
अधिकतम 33.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

11 ओवरलोड हाइवा से पक्की सड़क बनी कच्ची...

12 तालाब में गंदगी पसरने से फैली बदबू संक्रामक...

प्रवेश प्रारंभ
BCA
PGDCA
DCA
B.P.Ed.
B.P.E.
PG Diploma in Yoga Edu.
AICTE एवं NCTE से मान्यता प्राप्त
(पं. र.वि.वि. रायपुर से सम्बद्ध)
नेताजी सुभाष कॉलेज बेलभाठा, अभनपुर

छ.ग. के सभी शासकीय ITI में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन
cgiti.cgstate.gov.in
बी.एम. आई.टी.आई.
कोपा
इलेक्ट्रिशियन
हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
डीजल मैकेनिक
फायर टेक्नालॉजी
स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9340311314
9303893829, 9300850065
अंतिम तिथि-03/07/24

शाला प्रवेश उत्सव : आज से बजेंगी स्कूलों में घंटियां

नए शिक्षा सत्र की शुरुआत आज से, मनाया जाएगा प्रवेश उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

इस साल स्कूलों में नए सत्र की शुरुआत आज से होगी। स्कूल में घंटी बजेंगी और बच्चो की गूंज भी सुनाई देगी। अचंल के बिजली, खूटेरी, छुईहा, बेलर, सेंदर, परसदाकला हाई व हायर सेकेंडरी स्कूल सहित सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में प्रवेश उत्सव मनाया जाएगा। शाला प्रवेश उत्सव के लिए स्कूलों को शासन की ओर से शासकीय-अशासकीय शैक्षणिक संस्था को गाइड लाइन मिल चुकी है। इस बार बच्चों की पढ़ाई में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इस साल बच्चों को नई शिक्षा नीति के तहत पढ़ाया जाएगा। जून के अंत तक शाला प्रवेश उत्सव से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसको ध्यान में रखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पहले ही प्रधानपाठक और प्राचार्यों को साफ- सफ़ाई व अन्य आवश्यक तैयारी करने के निर्देश जारी किए है। वहीं कलेक्टर ने जिले के प्राचार्यों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए है।छत्तीसगढ़ शासन के मंशानुरूप शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं का निरीक्षण हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी आपके अधीनस्थ विद्यालय खुलने एवं शिक्षकों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित करें। निरीक्षण उपरांत निरीक्षण प्रपत्र को अनिवार्यतः भरा जाना सुनिश्चित करेंगे। शाला संचालन की अवधि प्रातः 10.00 बजे ▶▶| शेष पेज 10 पर

■ सिर्रीखुर्द में नेवता भोज का आयोजन पहले दिन बच्चे खाएंगे खीर-पूड़ी

53 प्राथमिक शाला एकल शिक्षकीय

छुरा। नए शिक्षा सत्र का शुभारंभ हो रहा है प्रथम दिन शाला प्रवेश उत्सव के साथ ही नौनिहाल बच्चों का स्वागत किया जाएगा। 53 एकल शिक्षकीय प्राथमिक शाला है, नवनिहालों को स्वागत के साथ पहले शिक्षा समस्या और संघर्ष से होगा। क्योंकि जब बच्चा स्कूल जाता है तो उन के मन में बहुत सारे प्रश्न और जिज्ञासाएं रहती हैं, उनकी जिज्ञासाओं को समाधान कौन करेगा? किंतु उनको स्कूल जाते ही समझ में आएगा कि जिस स्कूल में अपने प्रश्नों के उत्तर के लिए आया था वह स्कूल के ही प्रश्न के कोई उत्तर नहीं है और एक शिक्षक के पास पांच कक्षाएं हैं तो वह अपना शासकीय कार्य करेगा या फिर अपने बच्चों के जिज्ञासाओं का निराकरण करें और शासन प्रशासन लगातार बातें करती है किंतु स्कूल खुलने के दिन तक के इन स्कूलों में किसी प्रकार की व्यवस्थाएं नहीं की गई है, इन स्कूलों में अधिकांश जगहों पर शिक्षकों का पदोन्नति हुआ है कुछ शिक्षकों को प्रधान पाठक के रूप में पदोन्नत हुआ है दो-तीन शिक्षकों का निधन हो गया है किंतु पूरे शिक्षा सत्र के प्रारंभ में शिक्षा विभाग द्वारा इन स्कूलों को की व्यवस्था को लेकर अब तक किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई है, जब कल नई शिक्षा सत्र का शुभारंभ होगा तब वह शिक्षक की जिम्मेदारी होगी कि किनका स्वागत करें और सफाई करें, मध्यान भोजन, रजिस्टर, डाक से इन समस्याओं से उन्हें दो चार होना पड़ेगा इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि नए शिक्षा सत्र का शुभारंभ किस प्रकार हो रहा है। एकल शिक्षकीय स्कूल में प्राथमिक शाला कटेलपारा जरगांव, प्राथमिक शाला नवापारा, प्राथमिक शाला करनपारा, प्राथमिक शाला कटेलपारा पथरी शामिल हैं। विकासखंड शिक्षा अधिकारी के एल मतवाले ने कहा कि सब जानकारी उच्च कार्यालय को दी जा चुकी है और इन स्कूलों में शिक्षक की व्यवस्था जिला शिक्षा अधिकारी एवं संचनालय के द्वारा किया जाएगा हम पूरी जानकारी भेज चुके हैं।

मांगलिक कार्य की तैयारी में जुटे लोग

रसेला। आगमी 29 जून दिन शनिवार को शुक्र के उदय होने के साथ ही तमाम मांगलिक कार्य कुछ दिनों के लिए फिर से प्रारंभ हो जायेंगे। जिसमें जुलाई महीने में विवाह के लिए सात, नौ, ग्यारह, बारह, तेरह एवं पन्द्रह जुलाई को विवाह के शुभ मुहूर्त है। इस प्रकार लगभग दो महीने पश्चात एक बार फिर वैवाहिक कार्यक्रम शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में प्रारंभ हो जायेंगे। इसको लेकर बरसात के बावजूद बाजार में चहल-पहल का वातावरण बन गया है। लोग सीमित मुहूर्त में भी मांगलिक कार्य को संपन्न कराने पूरी तन्मयता से जुट गये है, चौपहिया वाहन तथा बसों की बुकिंग कर ली गई हैं। वहीं वैवाहिक ▶▶| शेष पेज 10 पर

महंगाई : थाली से गायब हो रही सब्जी

रसेला। क्षेत्र के साप्ताहिक बाजार रसेला, हिराबतर, सुरंग पानी, कुडेरादाधर, कनसिघी, कोठीगाव, लीटीपारी में टमाटर, धनिया, बरबटी, लहसुन, करेला, आलू, शिमला, गोभी सहित सभी सब्जियों में आम आदमी को खूब तेवर दिखा रही हैं। जहां कीमत आसमान छू रहा है, तो जिले के बाहर से आने वाली सब्जियों में लगातार हो रही कमी की वजह से आम आदमी के थाली से हरि सब्जी गायब होती चली जा रही है। विदित हो कि पिछले कई सालों से अचानक प्याज की बाहरी आवक की कमी होने वजह से प्याज भी थाली से दूर होती रही हैं। हर सप्ताह बाजारों में सब्जी के कीमतों पर भारी उछाल देखने को मिल रहा है। सब्जी विक्रेता लक्ष्मी पटेल, मोहन साहू, रेखचद आदि ने बताया कि फिलहाल कीमतों में कम होने का कोई आसार नहीं दिख रहा है। उल्टा अगर लगातार बारिश हुई तो एक दम सब्जियों का आवक बंद हो जाएगा। तो एक बार फिर कीमत बढ़ सकती है। बाजार में टमाटर 100, बरबटी 50, भिंडी 50, कुदरू 50, धनिया 350, लौकी 30, परवल 80, खीरा 30, फूल गोभी 60, आलू 30, लहसून 160, प्याज 40 रूपए किलो बिक रहा है।

दो बाइक की आपस में टक्कर एक की मौत, दूसरा घायल

राजिम। सोमवार की रात करीब 8 बजे राजिम-पोखरा मार्ग पर बकली के पास कुम्ही मोड़ में आमने- सामने दो बाइक सवारो के बीच टक्कर हो गया जिसमें परसदा जोशी निवासी शिवा मल्होत्रा उम्र 55 वर्ष की मौत हो गई जबकि दूसरा व्यक्ति घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक शिवा राजिम से अपने घर जा रहा था और विपरित दिशा से अज्ञात व्यक्ति राजिम की ओर आ रहा था तभी यह दुर्घटना हो गई।

हरिभूमि पाठक सूचना
गरियाबंद जिले में
हरिभूमि समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो। एवं समाचार पत्र की प्रतियां, विज्ञापन एवं खबरों के लिए संपर्क करें
9993223300, 8370049468

RUNGTA EDUCATIONAL FOUNDATION
R1
EXPERIENCE EDUCATION BEYOND BOUNDARIES
Study
•BCA •MCA
•BBA •MBA
•B.Com
Our Major Recruiters
AXIS BANK
ICICI Bank
tcs
wipro
90161 13333

ISBM UNIVERSITY
KNOWLEDGE • WISDOM • HUMANITY
University Grant Commission
Association of Indian Universities
CG PURC
All Indian Council of Technical Education
BAR Council of India
Pharmacy Council of India
In Collaboration with
RUSHFORD BUSINESS SCHOOL
INDIANATECH
HENRY HARVIN
JUDSON UNIVERSITY
SSBM
Association Partner
IIT KHARAGPUR
Associate Training, Learning & Knowledge Partner
Microsoft
MIBIZ CyberForensics
VRIZE
CYBERMOTION
IBM
DigiToad Technologies
Spiders
NASSCOM FOUNDATION
CIALFOR
Incubation Center
WISE SNDTWU INCUBATION CENTER
iHub Anubhuti-IIITD Foundation
DIRACERP
CODE NICELY
N-S-D-C National Skill Development Corporation
EC-COUNCIL | ACADEMIA PARTNER
Pepcoding
Techment
feasible
tcs iON
isbmuniversity
isbm_university
ISBM_university
www.isbmuniversity.edu.in
Admission open 2024-25
Apply Now
B. Tech Industry Integrated Computer Engineering
AI & ML
Cyber Security
Data Science
Internet of Things(IoT)
Programme duration - 4 Years, Eligibility - 10 +2 (PCM)
M. Tech
Programme duration-2 years
Eligibility - Graduation from a recognised university with minimum 45% marks aggregate
BCA Industry Integrated
AI & Data Science
Cyber Security
Programme duration-3 years
Eligibility - 10+2
MBA Industry Integrated
Business Analytics
Cyber Security
eFinance
Information Technology
Entrepreneurship
eMarketing
(Eligibility-Graduation)
B.Com Industry Integrated
FinTech
Programme duration - 3 years. Eligibility - 10+2
M.Com
Programme duration - 2 years
Eligibility - Graduation from a recognised university with minimum 45% marks aggregate
MCA
Programme duration - 2 years
Eligibility - Graduation from a recognised university with minimum 45% marks aggregate
BBA Industry Integrated
Business Analytics
Digital Finance
eMarketing
Programme duration - 3 Years, Eligibility - 10 +2
Other Programmes
LLB (Eligibility - Graduation from a recognised University minimum 45% marks aggregate)
BBA-LLB (5 years integrated programme)
LLM (LLB with minimum 55% marks aggregate)
Ph.D (NET or ISBMU Entrance Exam, And minimum 55% marks aggregate in PG)
Diploma & PG Diploma
Full Stack Development
Internet of Things (IoT)
Cyber Security
UI/UX
Digital Marketing
Data Analytics
(Eligibility - For Diploma - 10+2 For PG Diploma 10+2+3 /Graduation)
*Disclaimer : Till Raipur Off Campus Approval, Students Will Enroll For Main Campus
ISBM University, City Office , Next to Radiant Way School, GE Road Behind Pt. Ravishankar Shukla University, Amanaka, Raipur, Chhattisgarh-492010
ISBM University Campus, Nawapara (Kosmi), Block & Tehsil- Chhura, Gariyaband, Chhattisgarh- 493996
+91-91092-44444
+91-91093-33333

खबर संक्षेप

नगरीय निकायों पर बकाया बिजली बिल 789 करोड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों का बिजली बिल 789.15 करोड़ रुपए बकाया है। यह बिल मार्च की स्थिति में है। अब ऊर्जा विभाग ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से यह बिल अदा करने के लिए कहा है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी संयुक्त संचालकों से कहा है कि वे मार्च 2024 की स्थिति में निकायवार बकाया बिल एवं पेनाल्टी की राशि की जानकारी भिजवाएं, ताकि बिल अदा करने के लिए के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा सके। भारत सरकार द्वारा लागू की गई आरडीएएस योजना के दिशा निर्देशों के तहत शासकीय विभागों को मार्च 2022 की स्थिति में बकाया बिजली बिलों का भुगतान तीन किस्तों में तथा चालू वित्तीय वर्ष का भुगतान उसी साल में किए जाने की अनिवार्यता है। ऊर्जा विभाग ने अब बकाया राशि का भुगतान करने कहा है।

यादव महासंघ ने मनाया विश्व संगीत दिवस

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील यादव महासंघ द्वारा सामाजिक भवन में रविवार को विश्व संगीत दिवस मनाया गया। इस दौरान संगीत के सुधिजन कलाकारों ने संगीत सरिता में डुबकी लगाई और श्रोता अंजलि भर-भरकर गीत गंगा का रसपान करते रहे। श्रोताओं की खूब वाहवाही और ताली बटोरी। इस मौके पर महासंघ के महासचिव निरंजन सिंह यादव ने बताया कि इस वर्ष का विश्व संगीत दिवस, दिवंगत रमजान सज्जाद (रफी फेम) को बतौर श्रद्धांजलि समर्पित किया गया। ज्ञात हो कि रमजान भाई रायपुर संगीत समिति और गुलशन कुमार के टी-सिरीज एलबम से बरसों तक जुड़े रहे तथा दो दिन पूर्व 22 जून को ही उनका इंतकाल हुआ है। कार्यक्रम में उभरते सात गायक कलाकार अजय यादव, लक्ष्मण यादव, सुजीत सिंह, राजेश यादव, रविंद्र सिंह रवि, हेमंत यादव एवं वीरेंद्र यादव आदि शामिल थे।

संत कबीर प्रकटोत्सव निकाली कलश यात्रा

रायपुर। मानिकपुरी समाज की कबीर सिंहासन धाम समिति द्वारा संत कबीर प्रकटोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिवार भवन सिद्धार्थ चौक टिकरापारा से कबीर सिंहासन धाम भाग-1 बोरियाखुर्द तक धूमधाम से कलश यात्रा निकाली गई। इसके बाद काठाडीह सिंहासन धाम में भजन गायन, कबीर वंदन, चौका आरती का कार्यक्रम और भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में महंत बुधारी दास तथा महंत वल्लभदास द्वारा कबीर साहेब के विचार तथा उनके लीलाओं का व्याख्यान किया गया।

पेज 9 के शेष...

नए शिक्षा सत्र...

से शाम 04.00 बजे तक है।

छुईहा व सिर्रिखुर्द में विधायक प्रतिनिधि प्रवेशोत्सव में होंगे शामिल- हाई व हायर सेंण्ड्रीय स्कूल छुईहा एवं पूर्व माध्यमिक शाला सिर्रीखुर्द में 26 जून को प्रवेशोत्सव मनाए जायेंगे। वहीं सिर्रीखुर्द माध्यमिक विद्यालय में विधायक प्रतिनिधि की ओर से नेवता भोज का आयोजन रखा गया है। स्कूल के बच्चे पहले दिन खीर पूड़ी व अन्य स्वादिष्ट व्यंजन भोजन का स्वाद का मजा लेंगे। कार्यक्रम के मुख्यातिथि राजिम विधायक प्रतिनिधि, सरपंच छुईहा गजेश्वर सिन्हा, प्रचार्य नारायण निषाद, वरिष्ट भाजपा नेता रामाधार साहू, सरपंच सिर्रिखुर्द टिकेश साहू, छुईहा पूर्व अध्यक्ष परदेशी सिन्हा, प्रधानपाठक ठाकूर राम साहू, गणमान्य नागरिक उपस्थित होगें। इसके लिए स्कूल में तैयारी की गई है।

मांगलिक कार्य ...

समारोह के अलावा सगाई, गृह प्रवेश, मुडन संस्कार, नवगृह प्रवेश सहित अन्य मांगलिक कार्य भी कुछ दिनों के भीतर कराने लोग सक्रिय हो गये है, क्योंकि इसके पश्चात आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष के देवशयनी एकादशी के भगवान विष्णु चार माह के लिए शयनकक्ष में विश्राम के लिए चले जायेंगे। जिसकी वजह से तमाम मांगलिक कार्य नहीं हो पायेंगे। इस दौरान चार माह की अवधि में केवल सत्संग, प्रवचन, भजन कीर्तन व पूजा के कार्य होते रहे।

रिकार्ड में 52 हजार मीट्रिक टन धान सोसाइटियों में, जांच में मिला तीन हजार, होगी जांच

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में पिछले खरीफ सीजन में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान 149 लाख मीट्रिक में से करीब 52 हजार मीट्रिक टन धान सोसाइटियों में जमा है। यह तथ्य खाद्य विभाग की वेबसाइट का रिकार्ड बता रहा है, लेकिन सोसाइटियों की जांच करने के बाद ये बात सामने आ रही है कि सोसाइटियों में केवल तीन हजार मीट्रिक टन धान बचा है। बड़ा सवाल ये है कि यह धान कहां गया? इस संबंध में मार्कफेड के एमडी रमेश शर्मा ने कहा है कि सोसाइटियों से पूछा जाएगा कि ये धान कहां गया। आंकड़ों का मिलान कर पूरी जांच की जाएगी। राज्य सरकार ने खरीफ सीजन 2023-24 में नवंबर 2023 से 4 फरवरी के बीच प्रदेश के सभी जिलों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की थी। पूरे सीजन में 149 लाख मीट्रिक टन धान की रिकार्ड खरीदी की गई थी। धान खरीदी के साथ ही मिलरों को कस्टम मिलिंग के लिए सोसाइटियों से धान दिया जा रहा था, लेकिन इसके बाद 24 जून की स्थिति में रिकार्ड के मुताबिक सोसाइटियों (उपार्जन केंद्रो) में बाकी धान की मात्रा 52 हजार 402 मीट्रिक टन दिख रही है। मोटे तौर पर देखा जाए तो ये दिखता है कि सोसाइटियों से धान का उठाव (परिवहन) नहीं हो सका है।

25 जिलों की सोसाइटियों में बाकी था धान, कहां गया, होगी पूछताछ

सोसाइटियों में बचा है मात्र 3 हजार टन

सोसाइटियों में जब बाकी बचे धान की मात्रा की जांच की गई तो पाया गया कि मात्र 3 हजार मीट्रिक टन धान ही बाकी है। इस बात पुष्टि मार्कफेड के एमडी रमेश शर्मा ने की है। उन्होंने कहा है कि सोसाइटियों से पूछा जाएगा कि उनके पास से धान कहां गया, ये धान सूखत के कारण वजन कम होने से कम हो गया या कोई और कारण हैं। उन्होंने कहा कि जो बाकी बचा धान है, उसे तीन दिनों में उठा लिया जाएगा। इसके बाद डाटा मिलान करेंगे। सोसाइटियों से जानकारी लेंगे।

इन जिलों में बाकी दिख रहा है धान

सरकारी वेबसाईट के रिकार्ड के मुताबिक इन जिलों की सोसाइटियों (धान उपार्जन केंद्रो) में धान की बची मात्रा दिख रही है। इनमें बस्तर, बीजापुर,कांकेर, कोंडागांव, सुकमा, बिलासपुर, मुंगेली, रायगढ़, सक्ती, सारंगढ़, बिलाईगढ़, बालोद, बेमेतरा, कर्वधा, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-चौकी, बलौदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलरामपुर, जशपुर, कोरिया, सरगुजा, शामिल है। हालांकि कई जिलों में धान का पूरा उठाव होने के बाद वहां बाकी धान की मात्रा शून्य दिख रही है।

एमआईसी बैठक में परिसीमन पर चर्चा

महापौर ढेबर ने कहा- मापदंड के अनुसार होगा तो समर्थन देंगे, नहीं तो जाएंगे कोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मेयर इन काउंसिल की बैठक में मंगलवार को निगम क्षेत्र में प्रस्तावित वार्डों के परिसीमन पर चर्चा हुई। इसमें एमआईसी सदस्यों ने कहा कि परिसीमन मापदंड के अनुसार होगा, तो इसे समर्थन देंगे, नहीं तो इसका विरोध करेंगे। महापौर एजाज ढेबर ने कहा कि वर्ष 2019 में 2011 की जनसंख्या के आधार पर वार्डों का परिसीमन हुआ था। इस बार भी इसी आधार पर परिसीमन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सही मापदंड से परिसीमन किया जाएगा, तो एमआईसी भी इसका समर्थन करेगी, लेकिन अगर मापदंड से नहीं हुआ, तो इसके विरोध में कोर्ट भी जाएंगे।

निगम मुख्यालय में मंगलवार को महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता में एमआईसी की बैठक हुई। इस बैठक में 5 एजेंडे लाए गए थे, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके अलावा बैठक में नगरीय निकाय चुनाव से पहले निगम क्षेत्र के वार्डों में होने वाले परिसीमन को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में एमआईसी सदस्यों के बीच सहमति बनी कि परिसीमन को इसी शर्त पर समर्थन देंगे कि सभी वार्डों की जनसंख्या में ज्यादा अंतर न हो। यानी अगर एक वार्ड की जनसंख्या 14 हजार है, तो दूसरे वार्ड की जनसंख्या भी उसके जितनी या उसके करीब हो। यानी वार्डों की जनसंख्या का डिफरेंस 5 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। महापौर ने परिसीमन को लेकर मापदंड सार्वजनिक नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि परिसीमन किन मापदंडों के अनुसार कराया गया है इसकी जानकारी किसी भी पार्षद को नहीं है। ऐसे में अगर परिसीमन में मापदंड का पालन नहीं किया गया, तो इसके विरोध में हम कोर्ट भी जाएंगे। एमआईसी सदस्य सुरेश चन्नावार ने कहा कि परिसीमन को लेकर हमारा कोई विरोध नहीं है। परिसीमन नियम के अनुसार होना चाहिए। ज्ञानेश शर्मा ने भी कहा कि परिसीमन होना चाहिए यह वार्ड की जनता के हित में है। परिसीमन मापदंड के अनुसार होना चाहिए।

पूर्व परिसीमन में कुछ त्रुटियां हुई हैं, जनता के हित में सुधारा जाना जरूरी

इधर नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे का इस मामले में कहना है कि पूर्व में हुए परिसीमन के दौरान किसी-किसी वार्ड की सीमा को लेकर त्रुटियां हुई हैं। इसके कारण उन वार्डों में विकास कार्य कराने में पार्षदों को भी कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके कारण उस वार्ड की जनता को परेशानी होती है। नए सिरे से परिसीमन होने से पूर्व में हुई त्रुटियां खत्म हो जाएंगी। इससे पार्षद भी अपने-अपने वार्ड में विकास कार्य करा पाएंगे, जिससे जनता की समस्या दूर होगी। उन्होंने कहा कि कोई भी पार्षद चुनाव में हमेशा जीते ऐसा मुमकिन नहीं है, क्योंकि इसका फैसला जनता करती है। परिसीमन जनता के हित व भविष्य को देखते हुए किया जाता है, इसलिए इसका विरोध करना गलत होगा।

इन एजेंडों पर लगी मुहर

- एमआईसी में निगम वित्त विभाग का प्रस्ताव लाया गया, जिसमें 11 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यय राशि के रूप में 7 लाख 88 हजार 706 रुपये भुगतान करने की स्वीकृति दी गई।
- जोन-10 क्षेत्र के रानी दुर्गावती वार्ड नंबर 50 के अंतर्गत राम मंदिर के पास नाला निर्माण कार्य के लिए 1 करोड़ 98 लाख 76 हजार रुपए प्रस्ताव को मिली मंजूरी।
- एमआईसी में वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक मुक्तानंद चंद्राकर के संविदा नियुक्ति संबंधी प्रस्ताव लाया गया था। वे 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। निगम सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से लाए गए प्रस्ताव पर एमआईसी ने मुहर लगाई है। हालांकि इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए शासन को भेजा जाएगा।
- एमआईसी में कांजी हॉउस स्थित भूतल दुकान क्रमांक 6 के लीज नवीनीकरण प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। जोन 4 राजस्व विभाग की ओर से प्रस्ताव लाया गया था।

आश्वासन के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ की हड़ताल स्थगित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

योग दिवस से प्रारंभ हुई सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की हड़ताल चौथे दिन स्थगित कर दी गई है। टीम बनाकर उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया गया है, जिसके बाद उन्होंने काम पर लौटने का फैसला लिया है। सीएचओ द्वारा लंबित मानदेय और सही तिथि पर भुगतान सहित तीन सूत्रीय मांगों को लेकर 21 जून से हड़ताल पर थे। जिला मुख्यालय स्तर पर उनके द्वारा धरना प्रदर्शन के माध्यम से अपना विरोध जताया जा रहा था। सीएचओ की इस हड़ताल को प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा भी समर्थन दिया गया था। सोमवार को उनकी मांगों पर एनएचएम के अधिकारियों से चर्चा हुई और उन्होंने हड़ताल स्थगित करने की घोषणा कर दी। सीएचओ संगठन के संयोजक प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि अधिकारियों ने कहा है कि कार्य आधारित मानदेय समस्त जिला में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसके समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का माह 2024 तक पूर्ण भुगतान किया जायेगा।

सिंधी समाज के मिट्री माइट्री डॉट कॉम का शुभारंभ आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा सिंधी समाज में युवक-युवतियों के रिश्ते में आ रही परेशानियों को देखते हुए समाज की सुविधा के लिए मिट्री माइट्री डॉट कॉम पोर्टल का शुभारंभ 26 जून को किया जाएगा। यह शुभारंभ शदाणी दरबार के संत डॉ. युधिष्ठिर लाल करेंगे। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष महेश दरयानी और सुभाष बजाज ने बताया कि इस आयोजन के अलावा छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत की बहुप्रतीक्षित कार्यकारिणी की घोषणा भी 26 जून को संतों की उपस्थिति में की जाएगी। इसी दौरान संयोजक बलराम आहूजा व तनेश आहूजा ने बताया कि समाज में विगत कई वर्षों से युवक-युवतियों के रिश्ते में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह समस्या लगभग पूरे भारतवर्ष में सिंधी समाज के युवक-युवतियों के लिए निरंतर महसूस की जा रही है। इन सभी समस्याओं के निराकरण के लिए तथा रिश्ते सुचारू रूप से तय हों।

समाज में शांति के साथ विकास के लिए कृत-संकल्पित है छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार हर समाज में शांति एवं सद्भावना बनाए रखने के साथ विकास के लिए कृत-संकल्पित है। सरकार के इस कार्य को अंजाम देने में शांति और अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले सतनामी समाज का भी पूर्ण सहयोग है। ये बातें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में राजागुरु धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब के नेतृत्व में आए सतनामी समाज के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान कही। इस अवसर पर आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब सहित प्रदेशभर से आए सतनामी समाज के राजमहंत भी उपस्थित थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि हाल ही में बलौदाबाजार जिले की घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इसमें दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने समाज के लोगों को भरोसा दिलाया कि शासन-प्रशासन द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पूर्णतः न्यायसंगत होगी। इस अवसर पर सतनामी समाज से राजमाता गुरुमाता प्रवीण माताजी, गुरु सोमेश बाबा, गुरु सौरभ साहेब सहित राजमहंत जैत कुमार सतनामी, राजमहंत अनूप सतनामी, राजमहंत कामता प्रसाद, राजमहंत कुंजन सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

अब तक जारी नहीं हुई विस सत्र की अधिसूचना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र की अधिसूचना अब तक जारी नहीं पाई है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मानसून सत्र को लेकर प्रस्ताव संसदीय कार्य विभाग को भेजा था। प्रस्ताव पर अब तक स्वीकृति नहीं मिलने के कारण विधानसभा सत्र की अधिसूचना जारी नहीं हो पाई है।

13 जून को विधानसभा अध्यक्ष ने इस संबंध में मीडिया से कहा था 22 जुलाई से मानसून सत्र आहूत किया जाएगा। सत्र के लिए अधिसूचना एक माह पूर्व जारी की जाती है। अधिसूचना जारी नहीं होने को लेकर कहा जा रहा है कि कहीं तारीखों में परिवर्तन तो नहीं हो रहा। नियमानुसार विधानसभा सत्र की अधिसूचना जारी होने के बाद लगभग 20 दिन सवाल लगाने के लिए सदस्यों को समय दिया जाता है। विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा ने बताया कि अभी तक सचिवालय को कोई सूचना नहीं मिली है। सूचना मिलने के बाद अधिसूचना जारी होने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। भाजपा सरकार के शपथ लेने के बाद अब तक दो सत्र हो चुका है। मार्च में बजट सत्र के बाद मानसून सत्र की तैयारी है। राज्य सरकार के छह माह का कार्यकाल पूरा होने के बाद सरकार के कामकाज और अब तक हुई घटनाओं को लेकर विपक्ष पूरी नजर बनाए हुए है। आने वाले दिनों में अधिसूचना जारी होने के बाद विधायक अपने सवाल लगाने शुरू करेंगे।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग में मर्ज होगा नवाचार आयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य सरकार नवाचार आयोग को नए विभाग सुशासन एवं अभिसरण विभाग में मर्ज करने जा रही है। वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है, जहां से मंजूरी मिलते ही आयोग को बंद कर दिया जाएगा। कांग्रेस सरकार ने फरवरी में इसके गठन की अधिसूचना जारी की थी। कांग्रेस सरकार के बदलते ही जनवरी में विवेक ढांड ने इस्तीफा दे दिया था, इसके बाद से आयोग में काम ठप हो गया था। सचिव आरके सिंह का कार्यकाल भी 21 जून को खत्म हो गया है।

नवाचार आयोग के लिए कांग्रेस सरकार के समय अलग से बजट जारी किया गया था। बजट में राज्य नवाचार आयोग के लिए 1.25 करोड़ रुपये बजट प्रावधान किया गया था। आदिम जाति कल्याण आयोग परिसर में

इसका कार्यालय था। अध्यक्ष और सचिव के कमरे को तैयार करने लाखों रुपये खर्च हुए थे। मार्च 2024 तक 90 लाख 19 हजार रुपये खर्च हुए हैं। 2024-25 में भी आयोग को 1.25 करोड़ के बजट का आवंटन हुआ था। आयोग बनने के बाद इसकी कई बैठकें हुईं। आयोग ने सात सुझाव सरकार को भेजे थे। इनमें आयोग ने खुद को भी बंद करने का सुझाव भी दिया था। राज्य शासन ने नवाचार को नए विभाग सुशासन और अभिसरण में शामिल करते हुए जनकल्याणकारी नीतियों के सफल क्रियान्वयन, संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग के लिए और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पृथक रूप से सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन मार्च में किया।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग का कार्य

भाजपा सरकार ने नए विभाग के रूप छत्तीसगढ़ सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया है। विभाग में प्रशासन के सभी स्तरों पर डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देते हुए इसके माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। विभाग नये विचारों एवं क्रिया विधि के संबंध में शोध और प्रशासनिक सुधार के कार्य भी करेगा। विभाग से सुशासन फेलोशिप और मुख्यमंत्री लोक प्रशासन में उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदाय किया जाएगा। विभाग के अंतर्गत नीति विश्लेषण शिक्षण संस्थान और छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग को इसमें रखा गया है।

भाजपा सरकार में 10 साल से अघोषित आपातकाल चल रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- संविधान खतरे में है, इसे बदलने की बात कही जा रही : बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, आपातकाल का विरोध करने वाली भाजपा की सरकार ने 10 साल से देश में अघोषित आपातकाल लगा रखा है। संविधान खतरे में है, इसे बदलने की बात कही जा रही है। संवैधानिक संस्थाएं स्वतंत्र होकर काम नहीं कर पा रही हैं। लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है, आम जनता पर टैक्स लादा जा रहा है। बढ़ती महंगाई बेरोजगारी से हर वर्ग हताश और परेशान है।

उन्होंने कहा, जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। व्यापारी वर्ग डरा हुआ है, देश की संपत्तियां बिक रही हैं, यह असल मायने में आपातकाल है। 10 साल से देश में आपातकाल का दो कालखण्ड चल रहा था। अब तीसरा कालखण्ड शुरू हुआ है। आपातकाल का विरोध करने वाले संघ, भाजपा एवं अन्य दल के नेता अब खुद अपनी सरकार में खुलकर बोलने से डर रहे हैं। जो लोकतंत्र के सेनानी खुद को बताते थे, वह छिपे हुए बैठे हैं, सिर्फ पेंशन लेने के लिए सामने आते हैं। देश में लोकतंत्र के अधिकारों का उपयोग करने से रोका जाता है, किसान नौजवान आंदोलन करें, तो उन्हें देशद्रोही ठहराया जाता है। विपक्ष को डराया धमकाया जाता है। सदन से लेकर सड़क तक जनता के सवाल उठाने वालों की आवाज को दबाने सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जाता है। देश के संवैधानिक इतिहास में जितने अलोकतांत्रिक फैसले मोदी राज में हुए, उतने आज तक कभी नहीं हुए। असलियत यही है कि भाजपा और आरएसएस का मूल चरित्र ही लोकतंत्र विरोधी है।

हर प्लांट में 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक, बारिश में नहीं होगी परेशानी

मड़वा पॉवर प्लांट में भी इस बार मानसून के लिए भरपूर कोयला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मानसून में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के प्लांट में मड़वा में आमतौर पर कोयले के स्टॉक को लेकर परेशानी होती थी, लेकिन इस बार मानसून के लिए मड़वा में 3.30 लाख टन कोयले का स्टॉक है। यह स्टॉक 20 दिनों से ज्यादा का है। इसी के साथ कोरबा वेस्ट और श्यामाप्रसाद मुखर्जी तापगृह में भी 15-15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक है। मानसून में अगर भारी बारिश के कारण कोयले की आपूर्ति बाधित होती है तो भी बिजली उत्पादन में परेशानी नहीं होगी। मानसून

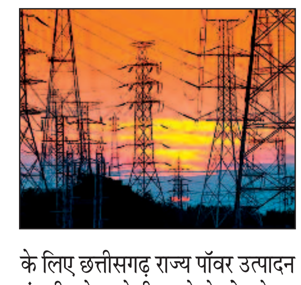

के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर उत्पादन कंपनी हमेशा से ही पहले से कोयले का स्टॉक करने का काम करती है। नियम से कम से कम 15 दिनों का स्टॉक रहना चाहिए। अब तक मानसून से पहले कंपनी सभी प्लांट में 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक करती है, लेकिन मड़वा में स्थान की कमी के चलते ऐसा नहीं हो पाता था। ऐसे में मड़वा में करीब एक सप्ताह के आसपास का ही स्टॉक रहता था। मानसून में भारी बारिश होने पर मड़वा के प्लांट के प्रभावित होने का हमेशा खतरा रहता था। इसके लिए लगातार तैयारी की जा रही थी। अब वहां पर पर्याप्त स्टाक रखने का स्थान होने के कारण इस बार सबसे ज्यादा कोयले का स्टॉक मड़वा में है। इस प्लांट में 500 मेगावाट के दो यूनिट है। इन में रोज 16 हजार टन कोयला लगता है। ऐसे में इस समय इस प्लांट में 3.30 लाख टन कोयले का स्टॉक है।

दूसरे प्लांटों में भी परेशानी नहीं

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी के कोरबा वेस्ट के प्लांट में जहां कन्वेयर बेल्ट से 14 किलोमीटर दूर से कोयला आता है, वहीं श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्लांट के लिए कोयला ट्रेन से आता है। कोरबा वेस्ट में 210 मेगावाट के चार और एक पांच सौ मेगावाट का प्लांट है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप गृह में 250 मेगावाट के दो प्लांट हैं। इन दोनों में भी 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक है। इनमें स्टॉक रखने का पर्याप्त स्थान होने के कारण कभी परेशानी नहीं होती।

पर्याप्त स्टॉक

मानसून के लिए सभी प्लांट में पर्याप्त कोयले का स्टॉक है। आमतौर पर मड़वा को लेकर परेशानी होती थी, लेकिन यहां पर 20 दिनों का स्टॉक है।

- संजीव कुमार कटियार
एमडी, उत्पादन कंपनी

खबर संक्षेप

आज से खुलेंगे स्कूल होगा शाला प्रवेशोत्सव

फिंगेश्वर। आज जहां पूरे प्रदेश में स्कूलें खुलेंगी वहीं पर शिक्षा को लेकर जनपद पंचायत के शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश साहू ने बैठक लेकर दिये निर्देश। आज से स्कूलों में शाला प्रवेशोत्सव होगा। शिक्षा समिति जनपद पंचायत फिंगेश्वर की बैठक आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कुलों मे छात्र–छात्रओं का स्वागत सम्मान करते हुये सम्पुर्ण तैयारी के साथ शाला प्रवेशोत्सव स्थानीय जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में मनाने। निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण एवं गणवेश वितरण किये जाने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा जतन योजना के तहत जिन–जिन स्कूलों में मरम्मत कार्य अधूरा है, उनको शीध्र पूर्ण करने एवं समय पर पूर्ण नहीं करने के स्थिति में संबंधित ठेकेदार हेतु आवश्यक कार्यवाही कराने के लिये कलेक्टर को पत्रचार के माध्यम से अवगत कराने का संकल्प पारित किया गया। इस अवसर पर शिक्षा समिति के सभापति योगेश साहू, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत फिंगेश्वर सदस्य दीपक साहू, मालती दिलीप साहू, पदेन सचिव रमेन्द्र कुमार जोशी बीईओं, अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग फिंगेश्वर, खण्ड स्त्रेत समन्वयक प्रभारी समाज शिक्षा संगठक जनपद पचायत फिंगेश्वर सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

यादव समाज ने की विधायक से सामाजिक भवन की मांग

फिंगेश्वर। यादव समाज परिक्षेत्र फिंगेश्वर राज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाजपा मंडल अध्यक्ष पीलू यादव के नेतृत्व में राजिम विधान सभा के विधायक रोहित साहू से मुलाकात कर यादव समाज के लिए बाबाकुटि मे सामाजिक भवन की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। पीलू यादव ने बताया कि समाज के संगठन एवं बैठक को लेकर सिनाभाव बनने के कारण इस मांग को आपके पास रख जा रहा है। विधायक रोहित साहू ने समाज के लोगो की बातों एवं ज्ञापन को लेकर मांग को पूर्ण करने का आश्वासन समाज के पदाधिकारियों को दिया है। इस अवसर पर ठेठवार समाज के अध्यक्ष घनश्याम यादव, सचिव भुनेश्वर साहू, संरक्षक पीलु यादव ने विधायक को धन्यवाद ज्ञापित किया है। इस अवसर पर समाज के पवन यादव, पीतांबर यादव, दिलीपकुमार, लोकनाथ यादव, रामअवतार यदु, बाबूलाल यदु, कुंजनलाल, भागवत यादव सहित बड़ी संख्या में यादव समाज के लोग शामिल हुए।

लड़की से किया मारपीट, जुर्म दर्ज

महासमुंद। ऑफिस से छुट्टी होने के बाद अपने घर वापस जा रही युवती को चिढ़ाते हुए मारपीट करने वाले युवक के खिलाफ सिटी कोतवाली में अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को वार्ड नं 2 इमलीभांठा निवासी एक युवती ने बताया कि 23 जून को आफिस से मेरी छुट्टी होने के बाद रात्रि लगभग 9.30 बजे पैदल अपने घर जा रही थी। रास्ते में संतोष किराना स्टोर्स के पास पहुंची थी, वहां पर बैठे कुछ लड़कों में से एक गोविंद निषाद मुझे चिढ़ा रहा था। मेरे द्वारा मना करने पर आरोपी गोविंद निषाद ने मुझे गालियां और जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का से मारपीट किया।

निधन

खेलन राम साहू

राजिम। शहर के प्रतिष्ठित नागरिक खेलन राम साहू का निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार में समाज, शहर एवं परिवार के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। वे कमलेश साहू, दीपक साहू, डायमंड साहू के पिता थे।

समस्या : आज से खुलेंगे स्कूल व कॉलेज, बच्चे इसी मार्ग से करेंगे आवागमन

ओवरलोड हाईवा से पक्की सड़क बनी कच्ची दो किलोमीटर के मार्ग में जगह-जगह गड्ढे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

तस्वीर में दिख रहा यह सड़क राजिम से चौबेबांधा मार्ग का है। पैरी नदी तक सड़क की लंबाई करीब दो से ढाई किलोमीटर की होगी। इस दो किमी के सड़क की दुर्दशा का बयां यह तस्वीर कर रही है। हर कदम पर गढ्ढे है। आखिर लोग चले तो चले कैसे? आज से स्कूल और कॉलेज खुलने जा रहा है। चौबेबांधा के पढ़ने वाले बच्चे अपने सायकल से स्कूल, कॉलेज आएंगे-जाएंगे। ऐसे में इन गढ्ढो में इनकी सायकिले स्लीप होकर गिरेंगी तो जवाबदार कौन होगा? न जाने इस पक्की रोड पर विभाग ने कितना लाख और करोड़ रूपए खर्च किया होगा? सड़क की हालत पैरी नदी के परसवानी पुल तक ऐसा ही है। पुल का दूसरा हिस्सा धमतरी जिले में पड़ता है। यह एक ऐसा मार्ग है जो राजिम का आऊटर कहलाता है। गरियाबंद और धमतरी जिले को जोड़ता है। दोनों जिले के लोग इस शॉर्टकट रास्ते से आना-जाना करते है। क्योंकि दूरी कम पड़ती है। राजिम मेले के समय पूरे 15 दिन इसी मार्ग से ट्रेफिक को डायवर्ट किया जाता है। ये मार्ग धमतरी और रायपुर जिले को जोड़ता है। स्कूल बच्चे तो परेशान होंगे ही ग्रामीण भी कम परेशान नहीं रहते क्योंकि दिन में उन्हें अपने दुपहिया से कई बार राजिम का चक्कर लगाना पड़ता है। कभी किराना सामान के नाम पर, कभी कपड़ा खरीदने, कभी तहसील के काम से तो कभी कोर्ट के काम से। यहां तक कि गरियाबंद और रायपुर बस पकड़ने के लिए भी इस मार्ग से आना ही पड़ता है। बारिशकाल में ये मार्ग काफी कष्टदायक साबित हो रहा है। क्योंकि बारिश का पानी गढ्ढे में भर जाता है। फिर नहीं दिखता कि कहां पर गढ्ढा हैं, और कहां पर नहीं है? रात में तो दुर्घटना तय ही समझो। अगर पानी गिरते में इस रास्ते में चलो तब भी दुर्घटना होना ही है। इस मार्ग को खराब करने में बड़ी-बड़ी हाइवा का अहम रोल है। धमतरी जिले से रेत भरकर ओवर लोड चलने वाली तमाम गाड़ियां इसी मार्ग से आती और जाती है जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। यदि कहा जाए कि पक्की को कच्ची सड़क बना दिया है तो कोई गलत नहीं होगा। कदम-कदम पर हो गए गढ्ढों में बाइक और स्कूटी वाले तो देखकर संभलकर एकबार चला ही लेते हैं मगर चार पहिया कार जैसे वाहनों के चक्के तो गढ्ढे में पड़ता ही है।

रात में नहीं दिखाई देते गढ्ढे

चौबेबांधा के ग्रामीणों ने बताया कि उनके बच्चे जब तक स्कूल या कॉलेज से लौट कर नहीं आ जाते तब तक माता-पिता के मन में संशय की स्थिति बनी रहती है। यही हाल मजदूर, मिस्त्री और कई तरह के लोग जो रोज शहर में काम करने के लिए आते हैं देर रात लौटते हैं इन गढ्ढो में कैसे बचकर चलते है ये तो वही जानते हैं। यदि रात में बारिश हो गया तो गढ्ढा कहां पर है और पानी कहां भरा है यह भी तो दिखाई नहीं पड़ता। इसी मार्ग पर शासन ने 54 एकड़ जमीन मेले के लिए आरक्षित करके रखा है।

47 साल गुजर गए राजिम को नहीं मिला मंत्री पद, अब जगी है आस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

राज्य के 90 विधानसभा क्षेत्र में राजिम एक ऐसा विधानसभा क्षेत्र है जो शुक्ल परिवार के गढ़ के रूप में जाना जाता है। यहां से जीतकर जाने वाले पंडित श्यामाचरण शुक्ल अविभाजित मध्यप्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री के पद को सुशोभित किया। वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ अलग राज्य बना तो जोगी मंत्रीमंडल में उनके बेटे अमितेश शुक्ल प्रथम पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री बनाए गए। दूसरी ओर बात यदि भाजपा की करे तो 1977 में उस समय के जनता पार्टी से जीत हासिल करने वाले संत पवन दीवान जी को जेल मंत्री बनाया गया था। संत दीवान,श्यामाचरण शुक्ल को पराजित किए थे। 1977 के बाद गाहे-बगाहे कभी कांग्रेस यहां से जीतती रही तो कभी भाजपा। लेकिन भाजपा से जीतने वाले विधायक मंत्री नही बन पाए। चाहे वह पुनित राम साहू हो, चंदूलाल साहू हो, या संतोष उपाध्याय हो। किसी के किस्मत में मंत्री पद नहीं लिखा था। इस तरह 47 साल गुजर जाने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी अपने राजिम विधायक को मंत्री पद का दर्जा नहीं दिया। अब एक बार फिर से समूचे क्षेत्र के लोगों की आस जगी है कि शुक्ल परिवार के किला को ढहाने वाले किसान पुत्र रोहित साहू को मंत्री पद का दर्जा मिलेगा। कायदे से देखा जाए तो राजिम विधानसभा क्षेत्र का जैसा विकास होना चाहिए वह हो नहीं पाया है, चाहे कारण जो भी रहा हो।

राजिम में एक कालेज से दूसरा कालेज नहीं हो सका। नगर पंचायत को पालिका का दर्जा नही मिल सका और न ही किसी भी तरह का सरकारी दफ्तर यहां खुल सका है। जिला रायपुर था वह गरियाबंद हो गया। जिले का सबसे बड़ा शहर होने के बावजूद एक ब्लॉक तक नही है यहां। यहां के लोग आज भी अपने काम कराने फिंगेश्वर जाते है मतलब राजिम फिंगेश्वर के अधीन है। राजिम को छत्तीसगढ़ का प्रयागराज कहा जाता है। देश और दुनिया भर के लाखो श्रद्धालु बारहो माह बहुत श्रद्धा और आस्था लिए राजिम पहुंचते है। यह जानकर हैरानी होगी कि यहां एक अदना सा बस स्टेण्ड भी नहीं है। सड़कों के हालत बदहाल है। प्रदेश में यदि बात साहू समाज की करे तो इनकी जनसंख्या दूसरे नंबर पर है और प्रदेश मंत्रिमंडल में अभी सिर्फ साहू समाज से एक मंत्री है लिहाजा रोहित साहू को मंत्री बनाए जाने की मांग सामने आ रही है। सत्ता में भागीदारी न होने से राजिम क्षेत्र तरक्की के रास्ते में पिछड़ गया है। राजिम को जिला बनाने की मांग कबसे हो रही है लेकिन कांग्रेस शासनकाल में इस मांग को अनसुना कर दिया गया। जिला बनने के लिए राजिम तरस कर रह गया है। गरियाबंद को जब जिला बनाया गया तो उसका कोई विशेष लाभ राजिम को नहीं मिला क्योंकि राजिम पहले रायपुर जिला में था जिसकी दूरी 45 किलोमीटर अब राजिम गरियाबंद जिले में है तो दूरी वही 45 किलोमीटर है। बल्कि राजिम को गरियाबंद जाना उल्टा पड़ता है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार के मुखिया विष्णुदेव साय ने अपने प्रदेश अध्यक्ष कार्यकाल में रोहित साहू को 10000 कार्यकर्ताओं के साथ डॉ रमन सिंह की मौजूदगी में भाजपा में शामिल किया था। बड़ा संयोग की बात है कि विष्णुदेव साय जो कि काफी सीधे और सरल व्यक्ति है वे आज सीएम है। इस लिहाज से भी राजिम क्षेत्र के लोगो की आस जगी है कि विधायक रोहित साहू को मंत्री मंडल में अवश्य स्थान देकर राजिम क्षेत्र की गरिमा को बढ़ाएंगे। जिससे राजिम विधानसभा क्षेत्र का समुचित विकास का मार्ग प्रशस्त हो सके।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाई श्यामा प्रसाद की पुण्यतिथि

नवापारा-राजिम। भेण्डरी में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धांजलि देने वालो में सरपंच प्रीतराम देवांगन, रोहित पटेल, चेतन साहू, बखरिया साहू, दर्शन साहू, सेवकराम बांधे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों की कमी बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

क्षेत्र के हाईस्कूल से लेकर प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में विषयवार शिक्षकों की कमी कई वर्षों से बनी हुई है। नया शैक्षणिक सत्र आज 26 जून को प्रारंभ होने जा रहा है। शिक्षा के लिए सरकारी योजनाएं छात्र- छात्राओं के लिए लाभकारी तथा सुविधाजनक हो इसके लिए शासन वहां मूलभूत सुविधा उपलब्ध है या नहीं, जैसे किसी भी स्कूल में नया सत्र शुरू करने से पहले यह देखना लाजिमी होगा कि नये कक्षा के लिए स्कूल भवन में कमरा, पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षकों की पदस्थापना है या नहीं, पर इन सब सुविधायों को नजरंदाज कर शासन की योजनागत नीति के तहत आंख मूंदकर नये सत्र प्रारंभ करने की शुरुआत करते है। अंचल के स्कूलों में शिक्षा का हाल बेहाल है। शासन एक तरफ तो शिक्षा के विकास की बात करता है, लेकिन शिक्षकों के अभाव में बेहतर शिक्षा की बात बेमानी है। ज्ञात हो कि शासकीय माध्यमिक शाला रसेला में 132 छात्र- छात्राओं की पढ़ाई का जिम्मा सिर्फ तीन शिक्षकों के ऊपर है। वो भी एक शिक्षक

प्रधानपाठक दो वर्ष के लिए बीएड ट्रेनिंग में चला गया है। इस समस्या को दूर करने कई बार स्कूल में ताला बंदी भी हुआ, इसी तरह हाईस्कूल रसेला में संस्कृति, भूगोल विषयों तथा विज्ञान सहायक का तीन पद खाली है। रूवाड हाईस्कूल में हिंदी, संस्कृति, और जीव विज्ञान का यहां के शिक्षकों आत्मानंद स्कूल छुरा में अटैच किया गया है। पालकों और जनप्रतिनिधियों के द्वारा मंत्री, कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, बीईओ सहित सभी को अनेक बार पत्रचार के माध्यम से अवगत कराया गया। लेकिन न तो मंत्री और न ही उच्चअधिकारीओ ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। स्कूल की इस दुर्दशा का खामियाजा छात्र-छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। इस स्थिति में अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस वनांचल क्षेत्र के स्कूलों में पढ़ाई की स्तर क्या होगी। मालूम हो कि अगले सत्र में जो शिक्षक प्रधानपाठक पद पर पदोन्नति होकर दूसरे स्कूल में प्रभार लेकर शिक्षक की कमी चलते उसी स्कूल में ही पढ़ा रहे हैं।ये है शिक्षा विभाग की विडंबना। वहीं छात्र छात्राओं गीतांजलि, कुसुमलता, सोनाली, सृष्टि, भुनेश्वरी, टेमीन, भूमिका, गुलशन,सुभम, रघुनाथ ने बताया कि माध्यमिक शाला रसेला में हिंदी, अंग्रेजी, गणित विषयों के शिक्षक नहीं होने से इन विषयों पर पढ़ाई नहीं होती है। ऐसा सिलसिला चल रहा है, हमें हमारी पढ़ाई को लेकर चिंता लगी रहती है। वहीं हमारा भविष्य भी खतरे में है। सरपंच बिग्रेंद्र ठाकुर, कामनी ध्रुव, हूमन नागेश, भुवन नेताम, ढलेश ध्रुव, उपसरपंच परमेश्वर यादव, कृष्णा गुप्ता, मूलचंद, खिलन अग्रवाल, विक्की ठाकुर, शाला समिति अध्यक्ष धनेश्वर दास, ओमप्रकाश दीवान, कृष्णा साहू,देवकी मरकाम, अलाल नागेश, हरिसिंह दीवान आदि ने कहा कि 15 दिनों के अंदर क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों की व्यवस्था नहीं किया गया तो सभी स्कूलों में एक साथ ताला बंदी करने के लिए बाध्य हो जाएंगे, जिसकी जवाबदेही शासन प्रशासन की होगी।

हवा में झूल रहे हैं बिजली के तार जिम्मेदारों को नहीं कोई सरोकार

छुईहा बेलर। ग्राम बिजली के खेत में बिजली सप्लाई लाइन टेढ़े खंभों से गुजर रही है। तार झूलकर ढीलापन हो गया है। वहीं हवा की झोकों से तार आपस में टकराव होने चिंगारी आ रही है। जिससे आग लगने का खतरा बना रहता है। खेती किसानी जुताई बुवाई का समय है। इसके चलते काम प्रभावित हो रही है। कई जगह तो यह स्थिति बन जाती है कि बिजली के तारों को आसानी से छुआ जा सकता है। इन बिजली तारों के नीचे किसान फसले भी बो देते हैं। इससे आग लगने का खतरा भी बना रहता है। इसके बाद भी लापरवाही बनी रहती है और इसमें कोई सुधार कार्य नहीं कराया जाता है। इससे पहले तो शार्ट सर्किट से आग भी लग चुकी है। ग्राम सरपंच प्रतिनिधि पीलाचंद माण्डलेय, पंच वरिष्ट नागरिक नंदू राम यादव, पूर्व सरपंच मोती निषाद सहित प्रभावित किसान इन खंभों को सूधारने कई बार आवेदन भी दे चुके हैं लेकिन विद्धुत विभाग के जिम्मेदार अधिकारी- कर्मचारी भी ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मांग : पेंड्रा तक सड़क का कराएं डामरीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

तहसील मुख्यालय मैनपुर से 15 किलोमीटर दूर नेशनल हाईवे से डेढ़ किलोमीटर दूर ग्राम पेंड्रा में पिछले 20 वर्षों से ग्रामीणों द्वारा डामरीकरण सड़क की मांग किया जा रहा है इसके लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा सर्वे भी किया जा चुका है लेकिन अब तक डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य नहीं किया गया है। जिसके कारण बारिश के दिनों में भारी दिक्कतों का सामना ग्रामीणों को करना पडता है, ग्राम पंचायत अडगडी के आश्रित ग्राम पेंड्रा की जनसंख्या लगभग 300 के आसपास है और यहां के ग्रामीण अमरराम नेताम, गाडाराम मरकाम, गजेन्द्र प्रधान, पुसउ राम ने बताया कि नेशनल हाईवे से गांव तक पक्की सड़क की मांग लंबे समय से किया जा रहा है, सड़क निर्माण करने से ग्रामीणों को भारी सुविधा मिलेगी और गांव में खालेपारा तथा दो स्थानों पर हेडपम्प खनन की मांग किया जा रहा है हांलाकि जल जीवन मिशन के तहत गांव में जगह- जगह नल स्टैण्ड लगाया गया है लेकिन इससे पानी नहीं आता, बिजली की लो वोल्टेज से यहां के ग्रामीण जुझ रहे हैं, ग्रामीणों ने बताया कि गांव में प्राथमिक शाला भवन बेहद जर्जर हो गया है और नया भवन के लिए नींव खुदाई कर छोड दिया गया है तो वहीं एक अतिरिक्त कमरा निर्माण का कार्य पिछले 12 वर्षों से अधुरा है। इस अधुरे भवन को पुरा करने की मांग ग्रामीणों द्वारा कई बार किया जा चुका है लेकिन अब तक भवन निर्माण पुरा नहीं ग्राम पंचायत अडगडी के सरपंच कृष्णकुमार नेताम ने बताया कि पेंड्रा तक पक्की डामरीकरण सड़क की जरूरत है साथ ही स्कूल भवन निर्माण के साथ मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है जिसके लिए शासन स्तर पर पत्र भेजा गया है।

मैनपुर में तीसरे चरण के एफएलएन प्रशिक्षण का हुआ समापन

बुनियादी साक्षरता को प्राप्त करना हमारा मुख्य लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को विद्यालयों में लागू करने की कवायद शुरू हो चुकी है। प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शिक्षण हेतु जिला मुख्यालय गरियाबंद में जिला शिक्षा अधिकारी ए के सारस्वत, जिला मिशन समन्व्यक के एस नायक डाइट के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रभारी डीसी देवांगन विकासखंड शिक्षा अधिकारी मैनपुर चन्द्रशेखर मिश्रा विकासखंड स्त्रोत समन्वयक शिव कुमार नागे एपी सी विल्सन थॉमस तथा लक्ष्मी देवांगन और दीपेश पुरोहित के नेतृत्व में 22 से 25 जून तक तीसरा चरण जोन भाटीगढ, अमलीपदर में विकासखंड के समस्त प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का ब्लेंडेड मोड में प्रशिक्षण हुआ । जिले से चयनित जिला स्तरीय नौ प्रशिक्षक 27 मई से 30 मई तक जिला मुख्यालय में प्रशिक्षण लेकर शिक्षको को ऑनलाइन प्रशिक्षण दे कर विकासखंड मैनपुर को भाटीगढ़ अमलीपदर

22 से 25 जून तक ऑफलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2022 के फाउंडेशन स्टेज के अंतर्गत फाउंडेशनल लैंग्वेज एंड न्यूमेरेसी हेतु कक्षा पहली से लेकर तीसरी तक की भाषा एवं गणित की पाठ्य पुस्तकें, अभ्यास पुस्तिका एवं शिक्षक संदर्शिका जिले के प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय तक एक वर्ष पूर्व ही पहुंच चुकी है। इन तीनों पुस्तकों को सुमेलित करके शिक्षकों द्वारा बच्चों को कैसे पढ़ाया जाए इस हेतु संबंधित कक्षाओं के पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षकों द्वारा विस्तृत चर्चा, गतिविधि और संबंधित पैडागोजी के साथ प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों का कुल 9 दिवसीय प्रशिक्षण हुआ। प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के प्रशिक्षण पश्चात शिक्षक प्रशिक्षण के अनुरूप ही विद्यालयों में विद्यार्थियों का अध्यापन कराएंगे। संचालक एससीईआरटी रायपुर के निर्देशानुसार जिला, ब्लॉक अथवा जोन स्तर के सभी प्रशिक्षण का गुणवत्ता की जांच हेतु राज्य अथवा जिला कार्यालय के द्वारा मॉनिटरिंग की जायेगी। इसी प्रकार विशेष रणनीति के तहत उच्च कार्यालयों के द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में एनईपी के अनुरूप अध्यापन की गहन मॉनिटरिंग की जायेगी। इस प्रशिक्षण में जिला शिक्षा अधिकारी एके सारस्वत, जिला मिशन समन्वयक के एस नायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी चन्द्रशेखर मिश्रा बीआरसी गरियाबंद शिव कुमार नागे एपीसी विल्सन थॉमस लक्ष्मी देवांगन ने प्रशिक्षण को का निरीक्षण। इस प्रशिक्षण में जिला स्त्रोत प्रशिक्षक संतोष कुमार धुव्र, टेकराम साहु, प्रताप सिंह टोप्पो, दिनेश कुमार नेताम, पदू सिंह नायक, सुनील सूर्यवंशी, भागवत पटेल, रासबिहारी नागेश, सोनाली मडामे राज्य स्तरीय प्रशिक्षक अवतार सिन्हा, रामेश्वर नागेश की विशेष भूमिका रही। एवं सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने एफएल एन की चुनौती के स्वीकार कर पूर्ण दक्षता लाने हेतु संकल्प लिया।

खबर संक्षेप

मैनपुरकला स्कूल का शौचालय खराब

मैनपुर। मैनपुर विकासखण्ड क्षेत्र के अधिकाश स्कूलों में शौचालय की स्थिति बेहद खराब है, यह शौचालय प्राथमिक शाला मैनपुरकला का है। इस शौचालय का निर्माण कौन सा विभाग के द्वारा करवाया गया अब तक ग्रामीणों को पता नहीं है और पिछले 06 वर्षों से ऐसी ही अधूरा पड़ा हुआ है।

16 नए आंगनबाड़ी भवन की मिली स्वीकृति : एसडीएम

मैनपुर। जिले के आदिवासी विकासखण्ड मैनपुर ब्लॉक में दर्जनों ऐसे आंगनबाड़ी भवन है जो काफी जर्जर हो चुका है। कई आंगनबाड़ी भवन के अभाव में निजी मकानों में

संचालित किया जा रहा है जिससे छोटे- छोटे बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या से गरियाबंद कलेक्टर दीपक अग्रवाल को अवगत कराया गया गरियाबंद कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने मैनपुर ब्लॉक में 16 नये आंगनबाड़ी भवन निर्माण की स्वीकृती दी है मैनपुर एसडीएम डॉ. तुलसीदास मरकाम ने बताया कि मैनपुर विकासखण्ड क्षेत्रवासियों के मांग को गंभीरता से लेते हुए गरियाबंद कलेक्टर द्वारा 16 नये आंगनबाड़ी भवन निर्माण की स्वीकृति मिली है।

समस्या : लोहरसी के एकमात्र निस्तारी तालाब की सफाई नहीं, पंचायत के भरोसे बीते तीन साल

तालाब में गंदगी पसरने से फैली बदबू संक्रामक बीमारी होने की आशंका बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

लगातार सुर्खियों में रहने वाले ग्राम पंचायत एक बार फिर से सुर्खियों में है। जहां तालाब की सफाई को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया है। आपको बता दें कि यह पूरा मामला फिंगेश्वर विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत लोहरसी का है। जहां पिछले तीन वर्षों से गांव के एकमात्र निस्तार तालाब जहां (पुराइन पत्ता) से पूरी तरह ढका हुआ है। दूर से देखने पर ऐसा लगेगा कि तालाब नहीं कोई बाड़ी का खेती कर रहा है। जहां कहीं अनेक प्रकार की सब्जियों का खेती लगाया गया है। लेकिन वास्तविकता ऐसी है कि पुराईन पत्तों से पूरा का पूरा तालाब लदा हुआ है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि गांव का एकमात्र निस्तार तालाब है। जहां पूरे गांव के आधा से ज्यादा लोग इसी तालाब में निस्तार करते हैं। तालाब पूरी तरह गंदगी से पटा हुआ है। जहरीले कीड़े मकोड़े भी उत्पन्न हो चुके हैं। असहनीय दुर्गंध बदबू भी तालाब से निकल रही है। तालाब में नहाने से कई प्रकार की बीमारी होने लगी है। और यहां तक मवेशी को धोने के लिए जब तालाब अंदर घुसते हैं तो दो फिट दलदल में पूरी तरह पैर फंस जाती है।

कोई नहीं समस्याओं को सुनने वाला

इस तालाब में नहाने से कई लोग बीमार भी हो चुके हैं। और कई लोगों को संक्रामक बीमारी भी हो चुकी है । हम ग्रामीण पिछले दो-तीन वर्षों से तालाब साफई को लेकर ग्राम पंचायत सरपंच सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को भी हमारी इस भीषण समस्या को मौखिक व लिखित रूप से दे चुके हैं। परंतु हमारे समस्याओं को सुनने वाला

कोई नहीं है। हम महिलाएं अपने शरीर में कुछ आभूषण पहने हुए हैं जैसे सोना चांदी वह भी पानी के दलदली गंदगी के कारण उनकी भी चमक व गुणवत्ता घटती दिखाई दे रही है। जनप्रतिनिधि चुनाव के समय बड़े-बड़े दावे हांक कर जाते हैं। जीतने के बाद हमारी समस्या या हमको झांकने भी नहीं आते हैं।

पंचायत को आदेशित किया गया

इस मामले को लेकर मेरे पास आवेदन आया है जिस पर मैं ग्राम पंचायत को आदेशित कर दिया हूं। की 15वें वित्त की कुछ राशि का तालाब की सफाई के लिए लगाया जाए और कुछ ग्रामीणों के श्रमदान के सहयोग से समस्या का निराकरण किया जाए सरपंच को मीटिंग करके इन समस्याओं को निराकरण करने को कहा गया है।

-अजय पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी फिंगेश्वर

किया जाएगा सौंदर्यीकरण

तालाब पिछले दो-तीन वर्षों से गंदगी से भरा हुआ है ऐसा सुनने में आया था परंतु मैं अभी-कुछ महीनों से कार्यभार संभाला हूं। मेरे कार्यकाल के अंतर्गत इस तालाब में 40 से 45 हजार की लागत से सौंदर्य करण किया जा चुका है। आगे और किया जाएगा साथ ही साथ ग्रामीणों के श्रमदान की सहयोग की अपेक्षा भी करता हूं।

-ओम प्रकाश सिन्हा, सचिव ग्राम पंचायत लोहरसी

अवैध चराई कराने चरवाहे के खिलाफ शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाण्डुका

जिले के जंगलों की दैनिक हालत दिन प्रतिदिन गिरते जा रहे हैं। चाहे पेड़ों की कटाई को लेकर हो या अवैध चराई को लेकर हो। बता दे कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राजस्थानी और गुजराती भेड़, बकरी, ऊंट, घोड़ा लेकर जिले की जंगलों को उजाड़ने लाखों की संख्या में भेड़ बकरी लेकर जिले के जंगलों में अवैध चराई करने चरवाहे पहुंच गए हैं यहां लगभग 6 माह तक हरे-भरे वृक्षों की पत्ते

टहनियों के साथ छोटे-छोटे- पौधों को भेड़ बकरिया अपने खुरो से नष्ट कर रहे हैं और इन्हीं वजहों के कारण जंगल धीरे-धीरे विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। तो वहीं वन विभाग लिखित शिकायत के बाद भी मूकदर्शक बन पत्थर की मुरत बन मौन साधे हुए हैं। सरकार हजारों, करोड़ों रुपए बजट बनाकर हरियाली बनाए रखने एवं जल जंगल बचाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं ताकि जंगलों में हरियाली बने रहे और वनों से हमें मिलने वाले उत्पाद इमारती लकड़ी शुद्ध हवा जैसी जरूरत की चीजें आसानी से उपलब्ध हो सके पर यह सब एक समय के साथ समाप्त होते दिखाई दे रहे हैं जंगल हरे-भरे जंगल नर्सरी में तब्दील हो रहे हैं। अधिकांश जंगलों को देखा जाए तो चारों तरफ चट्टानें ही चट्टानें दिखाई दे रहे हैं। तो यह कहना गलत नहीं होगा की वन विभाग के संरक्षण में यह अवैध चराई सालो से फल फूल रहा है। वही इस बारे में जानकारी लेने डिप्टी रेंजर पांडुका वीरेंद्र ध्रुव का फोन किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। साथ ही एसडीओडी राजिम हिमांशु डोंगरे से फोन में बात करने पर उन्हें सारी बातें बताई गई जिस पर उन्होंने कार्रवाई करने के लिए हामी भरी पर खबर लिखें जाने के बाद बिट गार्ड लोकेश श्रीवास ने वन अधिनियम 1927 के धारा 33(1) (द) के तहत कक्ष क्रमांक 75 मे कुल ऊंट, घोड़ा, भेड़, बकरी मिला कर योग 1206 नग पालतू मवेशीयों का जुर्माना लगाया पर इस जुर्माना मे कही भी राशि का जिक्र नहीं किया गया। इस प्रकार खाना पूर्ति के लिए यह कार्यवाही की गई है। जबकि उनके पास लगभग 10 हजार के आस पास भेड़ बकरी उस समय जंगल मे अवैध चराई करा रहे थे।

साहू समाज का प्रतिनिधि मंडल पहुंचा बिरकोना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ द्वारा गठित उच्चस्तरीय जांच दल बिरकोना पहुंचा। यह जानकारी देते हुए राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू ने बताया कि ग्राम बिरकोना निवासी कोमल साहू का संदेहास्पद मृत्यु हुआ है। वहां पर मृतक के परिजनों ने जांच दल को बताया कि कोमल साहू की हत्या के पश्चात उसे फांसी आत्महत्या का स्वरूप दिया गया है। घटना का रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद भी पुलिस कार्यवाही से परिवारजन एवं ग्रामवासी असंतुष्ट हैं अभी तक अपराधी को पकड़ने में पुलिस नाकाम रही है समाज के प्रतिनिधियों के द्वारा पुलिस को ज्ञापन देने के बाद इस मृत्यु की जांच हेतु एसआईटी का गठन किया गया है एसआईटी जांच टीम धीमी गति से जांच कर रही है जिससे परिवार के परिजन एवं ग्राम वासियों के बीच में धीरे-धीरे आक्रोश बढ़ रहा है। अपराधी सरेआम घूम रहे है। इसकी सूचना छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संख्या को मिलने के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष टहल साहू द्वारा उच्चस्तरीय जांच टीम का गठन किया गया है जिसमें पूर्व संसदीय सचिव डॉ सियाराम साहू, पूर्व विधायक अशोक साहू, छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के उपाध्यक्ष भुनेश्वर साहू महामंत्री दयाराम साहू हलधर साहू मोहन कुमारी साहू एवं राजिम भक्तिन माता समिति का अध्यक्ष लाला साहू महासचिव सोहन साहू तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के संयुक्त सचिव हीरेंद्र साहू शामिल है। यह प्रतिनिधि मंडल बिरकोना पहुंचकर पीड़ित परिवार एवं ग्रामवासियों से मुलाकात किया जिसमें परिवारजन एवं ग्राम वासियों ने पुलिस की भूमिका पर आरोप लगाया कि अपराधी को संरक्षण दिया जा रहा है और पीड़ित परिवार ने मांग किया कि निष्पक्ष जांच कर अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दिया जाए और परिवार को उचित न्याय मिले। परिवार में की पत्नी की भूमिका भी संदेहास्पद है घटना के बाद से नाबालिक बेटा को वह छोड़कर चली गई है जिससे उसकी भूमिका भी संदेहास्पद है। निश्चित ही मानवीय दृष्टिकोण से यह घटना दुखद है। प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात कर मृतक के परिजन एवं ग्रामवासी जिसमें सुनील साहू, फलित साहू, लेखू साहू, ग्रामीण अध्यक्ष रामाधार साहू ,मनोज साहू, राम अवतार साहू, बटुक साहू, नरेंद्र साहू, राजेश साहू, शैलेंद्र साहू मुलाकात किए। बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ ने इस घटना की निंदा करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग किया है। उचित कार्रवाई नहीं होने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ इसको संज्ञान में लेकर आगे की योजना तैयार करेगा।

थाना प्रभारी ने लोगों को दी नये कानून की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

1 जुलाई से देश में केंद्र सरकार की तीन नये कानून लागू होगा। कानून को लेकर नगर पंचायत फिंगेश्वर में थाना प्रभारी ने कार्यशाला लगाई।

अंग्रेजों के जमाने के कानून में केन्द्र सरकार ने बदलाव किया है जो 1 जुलाई 2024 से पूरे भारत में लागू हो जायेगा। कानून के तीन बदलाव में पहला बदलाव 1860 इंडिया पेनल कोर्ट की जगह भारतीय न्याय संहिता 2023 होगा। दूसरा बदलाव 1898 बदलाव सीआरपीसी के जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 होगा।तीसरा बदलाव 1872 इंडियन एवीडेंस की एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य संहिता 2023 होगा। तीन कानूनों को लेकर जो जानकारी मिली है उसमे यह बताया गया है कि प्रार्थी के आवेदन पर पुलिस को 3 दिन के अंदर एफआरआई करना होगा। माबलिंजिग मे 10 साल की सजा के साथ फांसी की सजा का प्रावधान रखेंगे। 12 साल के बच्ची से रेप मे फांसी का प्रावधान, गैंगरेप मे 20 साल तक की सजा या फिर आजीवन कारावास की सजा होगी।

पूरे भारत में 1 जुलाई से लागू होगा नया कानून

हिट एडं रन केस मे 10 साल के सजा का प्रावधान, यौन हिंसा केस मे महिला न्यायिक मजिस्ट्रेट की दर्ज करेगी। मौत की सजा को आजीवन कारावास में किया जा सकता है। इस प्रकार बहुत से कानून में बदलाव हुएं हैं जिनका अध्ययन करना होगा।

थाना प्रभारी ने लगाई कार्यशाला– तीन कानून को लेकर फिंगेश्वर थाना प्रभारी फैजूल होदा शाह ने भी 24 जून को नगर पंचायत की बैठक को बदले हुए कानून की बारे मे जानकारी दी। उन्होंन बताया कि थाना फिंगेश्वर पुलिस टीम के द्वारा नवीन कानून के संदर्भ में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन नगर पंचायत भवन के सभा कक्ष में किया गया इस दौरान नगर पंचायत के जनप्रतिनिधि गण माननीय ग्रामीण जन पत्रकार साथी तथा पुलिस के लोग उपस्थित रहे कार्यशाला में फिंगेश्वर पुलिस के द्वारा बताया गया कि पुराने कानून में संशोधन कर नई कानून लागू की गई है जो की 1 जुलाई 2024 से प्रभावी होंगे ।तीन नवीन कानून भारतीय न्याय संहिता 2023,,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 है।नवीन कानून का मुख्य ध्येय वाक्य दंड से न्याय की ओर है।इसी अवधारणा पर पूरी कानून की व्याख्या की गई है।इसके साथ ही नए कानून में डिजिटाइजेशन पर जोर दिया गया है।कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रबुद्ध नागरिक रुचि लेकर प्रश्न उत्तर कर जानकारी आदान प्रदान करते रहे।इस अवसर पर वरिष्ट भाजपा नेता भागवत हरित, पूर्व सरपंच बिसौहा हरित,भाजपा नेता रामूराम साहू, पार्षद कमलेश यदु, हेमा किरण सोनी, हरनारायण सूर्यवंशी, अधिवक्ता दूजलाल बंजारे, पार्षद नरेश लहरे, डोंगर मरकाम, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, पार्षद मंजू हरित, संतोषी श्रीवास्तव, पदमा यदु, बेनी सोनवानी, भुनेश्वरी साहू सहित नागरिकगण उपस्थित थे।

ज्ञान विज्ञान विद्या मंदिर के शिक्षकों को दी गई ट्रेनिंग

पाटसिवनी (पिपरहट्ठा)। छुरा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले प्राइवेट स्कूल ज्ञान विज्ञान विद्या मंदिर में एकदिवसीय टीचर्स ट्रेनिंग शनिवार को सम्पन हुआ। जिसमें ट्रेनर कृष्णकान्त शर्मा तथा दीपक खरी दोनों दिल्ली से आये थे। सत्र 2024 -25 प्रारम्भ होने से पहले प्राचार्य नीलम साहू अपने स्कूल में एकदिवसीय प्रशिक्षण रखकर सभी टीचर्स को नविन शिक्षण प्रणाली के

संदर्भ मे तथा आधुनिक समय में हमें शिक्षण को कैसे रोचकदार तथा आकर्षक बनाये। ट्रेनर ने टेक्नोलॉजी के माध्यम से बच्चों को उच्च स्तर का शिक्षण कैसे प्रदान करे और छोटे- छोटे बच्चों को स्कूल आने के लिये कैसे प्रोत्साहित करें। खेल- खेल में एक्टिविटी के माध्यम से अध्ययन एवं अध्यापन को कैसे मजेदार बनाये जैसे बहुत सारे टिप्स टीचर्स को गाइड किये हैं। स्कूल के प्राचार्य नीलम साहू ने बताया की हमें इस सत्र टीचर्स का समय-समय पर ऑनलाइन तथा ऑफलाइन ट्रेनिंग करवाते रहेंगे जिसका पूरा लाभ हमारे विद्यालय के बच्चों के प्राप्त होता रहे।

ब्रह्माकुमारी त्रिमूर्ति भवन में मनी मातेश्वरीय जगदंबा की 59वीं पुण्यतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय त्रिमूर्ति भवन में मातेश्वरीय जगदंबा की 59 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण के अन्तर्गत योगा प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी बहनों के साथ योगा प्रशिक्षक रेखराज साहू के विशेष मार्ग दर्शन में प्रशिक्षण दिया गया। उन्होने योग के माध्यम से रोगों का

उपचार, योग की विधि एवं स्वस्थ्य जीवन पर आधारित योग का प्रयोग , करना सिखाया। लगभग 200 लोगो ने भाग लिया। सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा दीदी ने कहा कि मन की वृत्तियों का निरोध करके आत्मा की पवित्रता को समझना, आत्मा को परमात्मा से जोड़कर आंतरिक शक्तियों का विकास करना ही योग है। अपने आप पर नियंत्रण करना ही राजयोग है। कहा कि राजयोग भारतीय प्राचीन पद्धति है। संचालन ब्रह्माकुमारी प्रिया बहन ने किया। कार्यक्रम में प्रेमशंकर साहू, हेमंत साहू, बिसाहू साहू, दिनेश साहू, गणेश साहू, कृष्णचन्द्र साहू, एकलव्य साहू, रामकुमार साहू, भानुप्रकाश, प्रज्ञा अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

वीरांगना रानी दुर्गावती की मूर्ति का अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

नगर में समस्त आदिवासी समाज एवं गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति ब्लॉक इकाई-छुरा के तत्वाधान में विशाल मूर्ति स्थापना तिराहा चौक बस स्टैंड किया गया और शोभा यात्रा निकाली गई। 24जून को पूरे भारतवर्ष में गोंडवाना की वीरांगना रानी दुर्गावती की शहादत दिवस के रूप में समस्त आदिवासी समाज याद करते हुए नमन करते हैं। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओंकार शाह केंद्रीय अध्यक्ष गोंड समाज राजमहल छुरा पूर्व विधायक बिन्द्रानवागढ़ क्षेत्र रहे। इस दौरान ओंकार शाह ने कहा कि आज का दिन आदिवासी समाज के लिए गौरव का दिन है और हमारे छुरा नगर के लिए भी ऐतिहासिक दिन है। आज बस स्टैंड में विशाल वीरांगना रानी दुर्गावती मूर्ति अनावरण हुआ है जिसके लिए गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति ने सन- 2018 से लगातार प्रयास कर रहे थे उनकी मेहनत आज रंग लाई है हमें समिति पर गर्व है, आदिवासी समाज अपने वीर महापुरुषों का जयंती एवं शहादत दिवस और बाबा साहब का संविधान दिवस बड़े धूमधाम से पूरे प्रदेश में मनाते हैं, आदिवासी समाज प्रकृति के पुजारी है वे लगातार जल जंगल जमीन को संरक्षित करने के लिए प्रयास करते रहते हैं। आदिवासी समाज को 5वीं अनुसूचित क्षेत्र में इसे विशेष दर्जा मिला है जो लोग संविधान को बदलने की बातें करते हैं आदिवासी समाज संविधान को कभी बदलने नहीं देगा इस दौरान गांव के समस्त आदिवासी समाज भारी संख्या में कंवर, हल्वा, गोंड, मातृशक्ति, पितृशक्ति, युवा-युवतीयां साथी अधिकारी-कर्मचारी प्रकोष्ठ के सभी सगासमाज उपस्थित थे।